V (Printed Pages 7)

(20526) Roll No. .....

B.A.LL.B.-VIII Sem

NS-3533

B.A. LL.B. Examination, May-2026

BANKING LAW INCLUDING NEGOTIABLE INSTRUMENT ACT

(BL-8004)

(New Course)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

Note : Attempt **all** sections as per instructions.

नोटः **सभी** खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्न हल कीजिए।

Section-A/खण्ड-अ

(Very Short Answer Type Questions)

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt all the **five** questions. Each question carries **4** marks. Very short

P.T.O.

answer is required not exceeding **75** words. 4×5=20

नोटः सभी **पाँच** प्रश्न हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है। अधिकतम 75 शब्दों में अति लघु उत्तर अपेक्षित है।

1. Define 'banking business' in the context of the Banking Regulation Act, 1949.

   बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के संदर्भ में "बैंकिंग व्यवसाय" को परिभाषित करें।

2. Differentiate between cheque and bill of exchange.

   चेक और विनिमय पत्र के बीच अंतर स्पष्ट करें।

3. Differentiate between negotiation and endorsement.

   निगोशिएशन और पृष्ठांकन (endorsement) के बीच अंतर स्पष्ट करें।

4. Write a brief note on the banker's lien.

   बैंकर के ग्रहणाधिकार (Banker's Lien) पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

5. What are the key characteristics of the banking system?

बैंकिंग प्रणाली की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं?

Section-B/खण्ड-ब

(Short Answer Type Questions)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any two questions out of the following 3 questions. Each question carries 10 marks. Short answer question required not exceeding 200 words. 2×10=20

नोटः निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** को हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंकों का है। लघु उत्तर 200 शब्दों में अपेक्षित है।

1. Discuss the key provisions of the Banking Regulation Act, 1949, that govern the relationship between a banker and a customer.

बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के उन प्रमुख प्रावधानों पर चर्चा करें जो एक बैंकर और एक ग्राहक के बीच संबंधों को नियंत्रित करते हैं।

2. What is an Endorsement under the Negotiable Instrument Act, 1881.

परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के तहत पृष्ठांकन क्या है?

3. Discuss the rights and liabilities of a paying banker and a collecting banker under the Negotiable Instrument Act, 1881.

परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के तहत भुगतान करने वाले बैंकर और संग्रह करने वाले बैंकर के अधिकारों और दायित्वों पर चर्चा करें।

Section-C/खण्ड-स

(Detail Answer Type Questions)

(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt three questions of the following five questions. Each question carries **20** marks. Answer must be descriptive. 3×20=60

नोटः निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही **तीन** को हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **20** अंकों का है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है।

1. What are the legal implications of the banker-customer relationship when the banker acts as a borrower?

   जब बैंकर एक ऋणकर्ता के रूप में कार्य करता है, तो बैंकर-ग्राहक संबंध के कानूनी निहितार्थ क्या होते हैं?

2. Explain the various banking services

regulated under the Banking Regulation Act, 1949.

बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत विभिन्न बैंकिंग सेवाओं की व्याख्या कीजिए।

3. Discuss the conditions under which a drawer incurs criminal liability for the dishonor of a cheque under Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881.

उन परिस्थितियों पर चर्चा कीजिए जिनके तहत परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अन्तर्गत चेक अनादरण के लिए एक आहरणकर्ता आपराधिक दायित्व का भागी होता हैं।

4. Discuss the role of banking services in fostering economic development and financial inclusion.

आर्थिक विकास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने

में बैंकिंग सेवाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

5. Elucidate the mechanisms through which the Reserve Bank of India exercises its supervisory and regulatory authority over other banks in India, highlighting the legal provisions that empower these actions.

उन विधियों को स्पष्ट कीजिए जिनके माध्यम से भारतीय रिजर्व बैंक भारत में अन्य बैंकों पर अपने पर्यवेक्षी और नियामक अधिकार का प्रयोग करता है, साथ ही उन कानूनी प्रावधानों पर भी प्रकाश डालिए जो इन कार्यों को सशक्त बनाते हैं।